

डॉ. जॉन ओसवाल्ट , निर्गमन, सत्र 2, निर्गमन 3-4

© 2024 जॉन ओसवाल्ट और टेड हिल्डेब्रांट

यह डॉ. जॉन ओसवाल्ट और निर्गमन की पुस्तक पर उनकी शिक्षा है। यह सत्र 2, निर्गमन 3-4 है।

खैर, आपका स्वागत है। आज शाम आप सभी को यहाँ देखकर बहुत खुशी हुई। अगर आप पहली बार हमारे साथ हैं, और मुझे लगता है कि यह सच हो सकता है। मुझे उम्मीद है कि आपको यहाँ टेबल पर रखे गए हैंडआउट मिल गए होंगे।

मैं जोर देकर कहता हूँ कि एक अस्थायी कार्यक्रम है। हम इसी पर टिके रहने की कोशिश करेंगे, लेकिन देखेंगे कि यह कैसे होता है। इसकी एक रूपरेखा भी है।

और मैं जल्दी से, हम सब की खातिर, उस रूपरेखा पर फिर से चर्चा करना चाहता हूँ। निर्गमन रहस्योद्घाटन के बारे में है। यह एक रहस्योद्घाटन है।

सबसे पहले, अध्याय 1 से 15 में यहोवा की शक्ति के बारे में। अब, यह नहीं है, ये अनन्य नहीं हैं। इनमें ओवरलैप हैं, लेकिन हम प्राथमिक जोर के बारे में बात कर रहे हैं।

जैसा कि मैंने कहा, यह हमें अध्याय 15, समुद्र के गीत, परमेश्वर के उद्धार के लिए स्तुति का गीत तक ले जाता है। लेकिन फिर अध्याय 15 से 15, 22 से 18, 27, यहोवा की कृपा का रहस्योद्घाटन। हाँ, वह शक्तिशाली है।

हाँ, वह हमें बचा सकता है। लेकिन क्या वह वास्तव में हमारी, हमारी बुनियादी ज़रूरतों की परवाह करता है? और इसका जवाब है हाँ, हाँ, और हाँ। अध्याय 19, वे सिनाई पर हैं।

तो, स्थान के संदर्भ में, आप मिस्र में, समुद्र से सिनाई तक, और फिर सिनाई पर पहुँचें। और यहाँ हमें यहोवा के सिद्धांतों का रहस्योद्घाटन मिलता है, वाचा का दिया जाना जो हमें दिखाता है कि परमेश्वर कौन है, और फिर तम्बू, जो इस सब में परमेश्वर के अंतिम लक्ष्य को प्रकट करता है, पहाड़ से नीचे आना और लोगों के बीच निवास करना। पूरी बात में यही अंतिम लक्ष्य है।

मैं अक्सर विद्यार्थियों से पूछता हूँ, उन्हें फंसाने की कोशिश करते हुए, कि परमेश्वर ने मिस्र के लोगों को उनके बीच रहने के लिए क्यों छोड़ा? कनान दूसरा स्थान रखता है। निर्गमन की पुस्तक हमें बताती है कि छोड़ने में परमेश्वर का उद्देश्य घर वापस आना था। घर वापस आने का पहला कदम अंततः हमारे दिलों में घर वापस आना है।

जब हम पहले भाग को देखते हैं, यहोवा की शक्ति का प्रकटीकरण, तो पिछले सप्ताह हमने मुक्ति की आवश्यकता के बारे में बात की थी। एक मानवीय आवश्यकता, वे बंधन में हैं, वे पीड़ित हैं। लोग उन्हें एक राष्ट्र के रूप में मिटाने की कोशिश कर रहे हैं।

लेकिन यह एक ईश्वरीय ज़रूरत भी है, क्योंकि परमेश्वर ने कुछ वादे किए थे। और सवाल यह है कि क्या वह अपने वादे पूरे कर सकता है? और हमने इस बारे में बात की कि यह हमारे लिए भी सच है। हाँ, आपको और मुझे उद्धार की सख्त ज़रूरत है, लेकिन परमेश्वर को हमें बचाने की ज़रूरत है।

अब, जब आप इस बारे में बात करते हैं कि पारलौकिक ईश्वर को किसी चीज़ की ज़रूरत है, तो आप तुरंत धार्मिक समस्याएँ पैदा कर रहे हैं। लेकिन यह सिर्फ़ ईश्वर का अपनी एकाकी पारलौकिकता में यह कहना नहीं है कि, अगर तुम बचना चाहते हो, तो कोई बात नहीं। अगर तुम नहीं चाहते, तो कोई बात नहीं।

परमेश्वर ने हमें अपने लिए बनाया है, और वह हमें पाप के बंधन में छोड़कर अपने आप में खुश नहीं रह सकता। उद्धार की आवश्यकता, अध्याय एक, और फिर उद्धारकर्ता की तैयारी, अध्याय दो। हमने देखा कि कैसे परमेश्वर ने उत्पीड़कों का उपयोग उद्धारकर्ता को प्रशिक्षित करने के लिए किया।

और फिर हमने देखा कि कैसे मूसा ने अपने तरीके से इस उद्धार कार्य को अंजाम देने की कोशिश की, और वह बुरी तरह विफल रहा। और इसलिए, उसने कहा, ठीक है, मैंने कोशिश की। मिलते हैं।

और जंगल में चले गए। लेकिन परमेश्वर उससे थोड़ा ज़्यादा दृढ़ है। तो, आज रात, हम 1C, उद्धारकर्ता की पुकार, अध्याय तीन और चार पर नज़र डालेंगे।

आइए हम सब मिलकर प्रार्थना करें। पिता, हम आपकी दृढ़ता के लिए आपका धन्यवाद करते हैं। हमें जाने देने की आपकी अनिच्छा के लिए भी आपका धन्यवाद।

आपका धन्यवाद कि आप नहीं चाहते कि हम अपने पाप में बने रहें। आपका धन्यवाद कि आप नहीं चाहते कि हम अपने विद्रोह में बने रहें। आपका धन्यवाद कि आप मसीह में पवित्र आत्मा के माध्यम से हम तक पहुँचे हैं, और हमें अपने लिए जीत लिया है।

आपके पवित्र नाम की स्तुति करें। हम आपके वचन के लिए फिर से आपका धन्यवाद करते हैं, और प्रार्थना करते हैं कि आपकी पवित्र आत्मा की शक्ति से, हम साथ मिलकर नई अंतर्दृष्टि प्राप्त कर सकें, कुछ पुरानी अंतर्दृष्टि को सुदृढ़ कर सकें, और सभी मिलकर अपना जीवन बेहतर ढंग से जी सकें, क्योंकि हमने यह घंटा एक साथ बिताया है। आपके नाम में, हम प्रार्थना करते हैं, आमीन।

ठीक है, अध्याय तीन। और यह, ज़ाहिर है, बिना जली हुई झाड़ी के उस नोट से शुरू होता है। मूसा रेगिस्तान के पीछे की तरफ़ है।

वह होरेब, ईश्वर के पर्वत पर आया। जैसा कि मैंने पृष्ठभूमि अनुभाग में टिप्पणी की है, इसे सिनाई कहा जाता है, इसे होरेब कहा जाता है, और वास्तव में इस बात का कोई स्पष्टीकरण नहीं है कि

दो नामों का उपयोग क्यों किया जाता है या एक का उपयोग एक स्थान पर और दूसरे का उपयोग दूसरे स्थान पर क्यों किया जाता है। वे बस विनिमेय हैं।

तो, वह सिनाई में आता है। यह कोई संयोग नहीं है। प्रभु का दूत उसे एक झाड़ी के बीच से आग की लपटों में दिखाई दिया।

उसने देखा, और देखा कि झाड़ी जल रही थी, लेकिन जल नहीं रही थी। उस झाड़ी में क्या प्रतीकात्मकता है जो जलती है लेकिन जलती नहीं है? भगवान एक शाश्वत ज्वाला है? हम्म-हम्म। और क्या? ध्यान दें।

हाँ? और क्या? चमत्कारी शक्ति? लेकिन वह ऐसा कर सकता था, है न? सिर्फ झाड़ी में आग लगाकर। वह मूसा का ध्यान अपनी ओर खींच सकता था। वह यह दिखा सकता था कि वह अनन्त ज्वाला है, कि उसके पास शक्ति है।

जलकर भस्म न होने का क्या मतलब है? वह हार मानने वाला नहीं है। जलने से शुद्धि होती है। हम्म-हम्म।

हाँ? लेकिन फिर से, हमें इसके उस पहलू के लिए भस्म नहीं होना चाहिए। हाँ, मुझे लगता है कि यही है। अगर भगवान हमें जलाते हैं, तो वे हमें जलाएँगे नहीं।

शैतान कहता है, ओह, तुम अपने जीवन में भगवान को आज़ाद छोड़ दो, वह तुम्हें खा जाएगा। हाँ, हाँ। वह तुम्हारे साथ दुनिया को रोशन कर सकता है, लेकिन जब वह तुम्हारे साथ काम कर लेगा, तो तुम राख हो जाओगे।

मुझे लगता है कि भगवान मूसा से यही कह रहे थे। माफ़ करना, शैतान मूसा से यही कह रहा था। तुम अपने जीवन में भगवान को आज़ाद नहीं होने देना चाहते। तुम उसे अपने अंदर आग नहीं लगाने देना चाहते।

क्योंकि वह भस्म करने वाली आग है, और वह तुम्हें जला देगा। इसलिए मुझे लगता है कि यह झाड़ी एक संदेश थी, खास तौर पर मूसा के लिए। नहीं, मूसा, अगर तुम अपने जीवन में ईश्वर को स्वतंत्र छोड़ दोगे, तो वह तुम्हें भस्म नहीं करेगा।

और यह हम सभी के लिए अच्छी खबर है। चूँकि शैतान बहुत रचनात्मक नहीं है, उसने इन 5,000 सालों में मानव जाति पर मुट्ठी भर संदेशों का इस्तेमाल किया है, और वे बढ़िया काम कर रहे हैं, तो फिर कुछ अलग क्यों करें? आप अपने जीवन में ईश्वर को ढीला नहीं छोड़ना चाहते, नहीं तो वह आपको दुखी कर देगा।

क्यों, वह आपको केंटकी के एक छोटे से शहर में भेज सकता है, वगैरह, वगैरह। नहीं, भगवान, भगवान एक भस्म करने वाली आग है, लेकिन वह अपने बच्चों को नहीं जलाएगा जो उस पर विश्वास करते हैं। हाँ? मैंने कहीं पढ़ा कि मूसा का ध्यान आकर्षित करने के लिए, यह आग पर गैर-जलती हुई झाड़ी थी क्योंकि रेगिस्तान में झाड़ियाँ, मुझे लगता है कि हमारे रेगिस्तान में हमारे

मेसकाइट झाड़ियों की तरह, कभी-कभी आग पकड़ लेती हैं और जल जाती हैं और भस्म हो जाती हैं।

हाँ, मुझे लगता है कि यह उचित है क्योंकि श्लोक 3 में कहा गया है, मैं इस महान दृश्य को देखने के लिए अलग हटूंगा कि झाड़ी क्यों नहीं जलती है। तो, हाँ, मुझे लगता है कि यह, मैंने जो पढ़ा है, उसके अनुसार, यह इतना आम नहीं है, लेकिन ऐसा होता है कि वे बहुत तैलीय झाड़ियाँ कभी-कभी स्वतः ही जल जाती हैं। इसलिए, यह, विशेष रूप से, यह तथ्य है कि इसे जलाया नहीं जा रहा था जिसने उसे इसके लिए आकर्षित किया।

श्लोक 4, जब प्रभु ने देखा कि वह देखने के लिए मुड़ा है, तो परमेश्वर ने उसे झाड़ी से बाहर बुलाया, मूसा, मूसा, और उसने कहा, मैं यहाँ हूँ। क्या कोई अपना होमवर्क करता है? उत्पत्ति 22 क्या है? यह इसहाक की कहानी है, और यह परमेश्वर अब्राहम को बुला रहा है, और अब्राहम कहता है, मैं यहाँ हूँ। हाँ, अब्राहम ने चाकू उठाया है। अब्राहम, अब्राहम।

क्या? ऐसा मत करो। परमेश्वर हमें नाम से जानता है। और जब वह हमें बुलाता है, तो वह जानता है कि वह किसे बुला रहा है।

और जो बुलावा उसने हमारे लिए दिया है वह तुम्हारे लिए, मेरे लिए भी उपयुक्त है। इस पुस्तक में आगे चलकर परमेश्वर मूसा से कहने जा रहा है, मैं तुम्हें नाम से जानता हूँ। यही बाइबल की महान सच्चाई है।

मैं इस विचार से हमेशा चकित होता हूँ कि ईश्वर इस ग्रह पर रहने वाले साढ़े छह अरब लोगों में से हर एक को व्यक्तिगत रूप से जानता है। लेकिन वह जानता है। किताब में यही लिखा है।

तो, यह तुम नहीं हो। यह मूसा है, मूसा। महान स्कॉट, बुश, मेरा नाम जानता है।

फिर उसने कहा, पास मत आओ; अपने पैरों से चप्पल उतार दो, क्योंकि जिस जगह पर तुम खड़े हो वह पवित्र भूमि है। अब, उस भूमि को पवित्र किसने बनाया? परमेश्वर की उपस्थिति ने। इसमें कोई भी ऐसी चीज़ नहीं थी जो पवित्र हो।

यह कोई ऐसा पवित्र स्थान नहीं है जिसे पवित्र जल से आशीर्वाद दिया गया हो। यह रेगिस्तान के पिछले हिस्से में एक ऊबड़-खाबड़, बंजर पहाड़ के किनारे पर है। और भगवान कहते हैं कि यह पवित्र भूमि है।

अब, यह हमें परमेश्वर के बारे में क्या बताता है? इसे ज़्यादा जटिल मत बनाइए। यह हमें परमेश्वर के बारे में क्या बताता है? वह पवित्र है। वह पवित्र है।

और वह जिस चीज़ को छूता है वह पवित्र हो जाती है। गंदगी। और यह सिर्फ़ गंदगी है।

यह पवित्र गंदगी है क्योंकि पवित्र यहाँ है। अब, मैंने आपको पिछले पतझड़ और वसंत के अध्ययन में बताया था कि ईश्वर के संदर्भ में पवित्र शब्द उत्पत्ति की पुस्तक में नहीं आता है। उत्पत्ति की पुस्तक में ईश्वर को कभी पवित्र नहीं कहा गया है।

केवल दो स्थानों पर दिखाई देते हैं, अध्याय 1 में, जहाँ वह सब्त को पवित्र करता है और अध्याय 38 में, जहाँ यहूदा की बहू तामार एक पवित्र महिला की तरह कपड़े पहनती है जो एक पंथ वेश्या है। केवल दो स्थान। अब, फिर से, क्या आपने अपना होमवर्क किया? क्या आपने इस बारे में थोड़ा सोचा? उत्पत्ति की पुस्तक में पवित्र क्यों नहीं दिखाई देता है? यदि ईश्वर पवित्र है, तो यह स्पष्ट क्यों नहीं किया गया है? हो सकता है कि लोग तैयार न रहे हों।

हमने इस तथ्य के बारे में बात की कि साँप ने भगवान पर उनकी विश्वसनीयता के बिंदु पर हमला किया। आप भगवान पर भरोसा नहीं कर सकते। उसने खुद को बचाने के लिए आपको ये बातें बताईं।

इसलिए, जब भगवान कहते हैं कि आप मर जाएंगे, तो आप उन पर विश्वास नहीं कर सकते क्योंकि वे झूठ बोल रहे हैं। इसलिए, उत्पत्ति को वास्तव में यह स्थापित करने के लिए शून्य से शुरू करना होगा कि भगवान पर विश्वास किया जा सकता है, उन पर भरोसा किया जा सकता है, और इसलिए उनकी आज्ञा का पालन किया जा सकता है। आपको कुछ और स्थापित करने से पहले यह स्थापित करना होगा।

उत्पत्ति ने ऐसा ही किया। उत्पत्ति ने तीन अलग-अलग संस्करणों में दिखाया है, अब्राहम संस्करण, जैकब संस्करण और जोसेफ संस्करण, तीन अलग-अलग तरीकों से, तीन अलग-अलग स्थितियों में। उत्पत्ति ने दिखाया है कि परमेश्वर भरोसेमंद है। हाँ, परमेश्वर पर विश्वास किया जा सकता है। और अब ऐसा लगता है जैसे परमेश्वर कह रहा है, ठीक है, अब चलो आगे बढ़ते हैं।

परमेश्वर पवित्र है। यह दिलचस्प है कि उद्धार का यह अनुभव, परमेश्वर की शक्ति का प्रकटीकरण, परमेश्वर की भविष्यवाणी का प्रकटीकरण, और उसकी उपस्थिति के सिद्धांतों का प्रकटीकरण सभी यहीं से शुरू होते हैं। क्या आपके पास इस बारे में कोई विचार है कि इसे यहाँ शुरू में क्यों पेश किया गया? दस आज्ञाएँ फाउंडेशन मूसा लोगों का नेतृत्व करने के लिए तैयार हो रहा है।

उसे खुद परमेश्वर को जानने की ज़रूरत है। ठीक है, मूसा लोगों का नेतृत्व करने के लिए तैयार हो रहा है। उसे खुद परमेश्वर को जानने की ज़रूरत है।

यह एक रिश्ते का आधार है। यह एक उचित रिश्ते का आधार है। हम किसी के साथ रिश्ता नहीं रख सकते अगर रिश्ता उनके बारे में गलत समझ पर आधारित हो।

आपको यह जानना होगा कि वे वास्तव में कौन हैं। यही कारण है कि इतनी सारी शादियाँ असफल हो जाती हैं क्योंकि हमें वास्तव में पता नहीं होता कि हम किसके साथ बिस्तर पर जा रहे हैं। इसलिए, परमेश्वर शुरू से ही कह रहा है मूसा, तुम्हें मेरे बारे में कुछ समझने की ज़रूरत है।

अपने जूते उतार दें क्योंकि आपके जूतों के तले पर आम गंदगी है, और आप आम और पवित्र को एक साथ नहीं मिला सकते। भगवान के संदर्भ में पवित्र के मूल रूप से दो अर्थ हैं। एक उसके सार को संदर्भित करता है।

अपने सार में, वह पवित्र है, और इसका मतलब है कि वह मौलिक रूप से अन्य है। अधिक तकनीकी शब्द है पारलौकिक। वह अपनी रचना से बिल्कुल अलग है।

इसलिए, जब बाइबल कहती है कि वह पवित्र है, तो वह इसी बारे में बात कर रही है। वह अपनी रचना से अलग है। अब फिर से, यह एक आश्चर्यजनक विचार है, लेकिन यह आश्चर्यजनक विचार पूरी बाइबल को आकार देता है क्योंकि, आप देखिए, बुतपरस्ती इस बात से इनकार करती है।

देवता इस दुनिया का हिस्सा हैं। हवा, बारिश, बर्फ, जुनून, सृष्टि में आप जिस भी शक्ति के बारे में सोच सकते हैं, वह सब एक देवता है, और मुद्दा यह है कि उन्हें सृष्टि का हिस्सा होना चाहिए ताकि आप सृष्टि में हेरफेर करके उन्हें नियंत्रित कर सकें। अगर ईश्वरीय शक्ति इस ब्रह्मांड का हिस्सा नहीं है, तो आप उसे कैसे नियंत्रित कर सकते हैं? ऐसे धर्म का क्या फायदा है जहाँ ईश्वर वास्तव में पवित्र है? आप उस ईश्वर से वह कैसे करवाएँगे जो आप चाहते हैं? इसका उत्तर है कि आप नहीं हैं।

ओह, भूल जाओ। मैं इस धर्म के धंधे में क्यों आया? मैं इस धर्म के धंधे में इसलिए आया कि मुझे भगवान से जो चाहिए वो मिल जाए, और अब तुम मुझे कह रहे हो कि मैं भगवान से जो चाहता हूँ वो नहीं पा सकता? भूल जाओ। मैं यू.के. जाकर खेल देखूँगा। कम से कम मुझे थोड़ा उत्साह तो मिलेगा।

तो यह नंबर एक है। जब बाइबल कहती है कि परमेश्वर पवित्र है, तो इसका मतलब है कि वह ब्रह्मांड में एकमात्र ऐसा प्राणी है जो हर दूसरे प्राणी से बिल्कुल अलग है। लेकिन इसका कुछ मतलब है।

इसका मतलब है कि सिर्फ एक ही पवित्र चरित्र है। बुतपरस्ती में पवित्रता का कोई नैतिक अर्थ नहीं होता। ऐसा हो ही नहीं सकता।

क्योंकि अच्छे देवता पवित्र हैं और बुरे देवता पवित्र हैं। स्वच्छ देवता पवित्र हैं और अशुद्ध देवता पवित्र हैं। इसलिए, पवित्रता का चरित्र के संदर्भ में कोई मतलब नहीं है।

सड़क के किनारे बैठी वह पंथ की वेश्या, वह एक पवित्र महिला है क्योंकि वह एक देवी से संबंधित है। क्या उसका व्यवहार पवित्र है? खैर, हाँ, यह देवी की तरह है। देवी व्यभिचारिणी है, इसलिए वह व्यभिचारिणी है, इसलिए पवित्रता व्यभिचारिणी है।

इस पर यह पुस्तक कहती है कि नहीं, नहीं, नहीं, नहीं। तो पवित्रता का दूसरा पहलू चरित्र है। जब परमेश्वर कहता है कि तुम्हें भी वैसा ही पवित्र होना चाहिए जैसा मैं पवित्र हूँ, तो वह इस बारे में बात नहीं कर रहा है।

हम ईश्वर नहीं बन सकते। हम सृष्टि के अलावा कुछ और नहीं बन सकते। केवल वही ऐसा हो सकता है।

लेकिन हम उसके चरित्र को साझा कर सकते हैं। और यही वाचा का सार है। तुम्हें पवित्र होना चाहिए, क्योंकि मैं पवित्र हूँ।

इसका क्या मतलब है? खैर, नंबर एक, इसका मतलब है कि आप अपने जानवरों का फायदा नहीं उठाते। इसका पवित्रता से क्या लेना-देना है? आप याद रख रहे हैं कि आप भगवान नहीं हैं, और आपको उस जानवर के साथ जो भी करना है, करने का अधिकार नहीं है। यह एक साथी प्राणी है जिसे भगवान ने आपकी मदद करने के लिए आपको दिया है।

आप इसका दुरुपयोग करके पवित्र नहीं हो सकते। वाचा में व्यवहार की पूरी श्रृंखला परमेश्वर के पवित्र चरित्र की अभिव्यक्ति है। तो यहीं शुरू से ही, बिंगो, अपने जूते उतार दें।

यह पवित्र भूमि है। मुझे नहीं लगता कि मूसा को इस समय इन सब चीज़ों की बहुत ज़्यादा समझ थी। लेकिन वह कुछ तो समझता है।

यह परमेश्वर इतना पवित्र है कि वह जिस चीज़ को छूता है वह पवित्र हो जाती है। वाह। लेकिन अब, और मैं यहाँ जानबूझकर बहुत समय ले रहा हूँ, उसने कहा, मैं तुम्हारे पिता का परमेश्वर हूँ, अब्राहम का परमेश्वर, इसहाक का परमेश्वर, याकूब का परमेश्वर।

और मूसा ने अपना चेहरा छिपा लिया क्योंकि वह परमेश्वर की ओर देखने से डरता था। उसने अपना चेहरा केवल इस घोषणा के बाद ही क्यों छिपाया? उसने अपना चेहरा उस समय क्यों नहीं छिपाया जब परमेश्वर ने कहा, अपने जूते उतारो? मैं अब्राहम, इसहाक और याकूब का परमेश्वर हूँ, तो उसे यह कहने का क्या कारण है कि अरे नहीं? तुम्हारे विचार क्या हैं? वादों के बारे में।

ओह, एक मिनट रुको। एक मिनट रुको। तुम्हारा मतलब है कि हमारा पारिवारिक परमेश्वर, अब्राहम, इसहाक और याकूब का परमेश्वर, पवित्र परमेश्वर है।

ओह, मेरे बेटे, हम उसे हल्के में ले रहे हैं। हम उसके वादों को हल्के में ले रहे हैं जैसे कि वह छोटा भगवान हो जो मेरी प्रार्थनाओं को पूरा करने के लिए मेरे बिस्तर के नीचे रहता है। लेकिन वह मेरे बिस्तर के नीचे नहीं रहता था, है न? ओह माय, हम यहाँ किससे निपट रहे हैं? यह हम सभी के साथ होना चाहिए।

ईश्वर से परिचित होना बहुत आसान है। हम इंसानों के लिए चीज़ों को तनाव में रखना बहुत मुश्किल है। ईश्वर आपसे प्यार करता है।

वह आपकी परवाह करता है। वह आपको नाम से जानता है। वह आपके बारे में उत्साहित है।

ओह, वह एक छोटे टेडी बियर की तरह है। नहीं, जो आपसे प्यार करता है वह आपको देखकर भून सकता है। यही प्यार है, दोस्तों।

यह अनंत काल के लिए मूल्यवान है। लेकिन उन दोनों को तनाव में रखना कठिन है। ओह, वह भयानक ईश्वर है जो ब्रह्मांड के किनारे से परे रहता है, भयानक, डरावना।

वह एक मिलनसार छोटा सा साथी है। वह किसी तरह, उन दोनों को एक साथ रख रहा था, जिससे सच्चाई पार हो गई। भगवान मुझसे प्यार करते हैं।

मुझे कल इस विषय पर प्रचार करने का मौका मिला, और एक व्यक्ति सेवा के बाद मेरे पास आया और बोला, जब आप प्रचार कर रहे थे, तो मैं एक कहानी के बारे में सोच रहा था। डाउन सिंड्रोम से पीड़ित एक छोटा लड़का एक ईसाई शिविर में गया था। एक दिन, वह शिविर में दौड़ रहा था।

खुशखबरी। खुशखबरी। यीशु मुझसे प्यार करता है।

यह अच्छी खबर है। ठीक है। अब, और तेज़।

श्लोक सात से 10. यहाँ क्रिया क्रियाओं को देखें। मैंने देखा है, मैंने सुना है, मैं जानता हूँ, मैं उन्हें ऊपर लाने के लिए नीचे आया हूँ।

नौवीं आयत में, पुकार मेरे पास आई है। मैंने अत्याचार देखा है। आओ, मैं तुम्हें फिरोन के पास भेजूंगा ताकि तुम मेरी प्रजा, इस्राएल के बच्चों को मिस्र से बाहर निकाल लाओ।

ये क्रियाएँ हमें परमेश्वर के बारे में क्या बताती हैं? हाँ। हाँ।

वह वास्तव में सर्वशक्तिमान है। वह देखता है, सुनता है, जानता है, उसके पास योजना है। वह सर्वशक्तिमान है, और वह इसमें शामिल है।

यह अच्छी खबर है। अगर वह शामिल है, लेकिन सर्वशक्तिमान नहीं है, तो क्या हुआ? अगर वह सर्वशक्तिमान है, लेकिन शामिल नहीं है, तो क्या हुआ? लेकिन जब सर्वशक्तिमान ईश्वर व्यक्तिगत रूप से आपकी स्थिति में शामिल होता है, तो वाह। वाह।

यह अच्छी खबर है। लेकिन आओ, मैं तुम्हें फिरोन के पास भेजूंगा ताकि तुम मेरे लोगों, इस्राएल के बच्चों को मिस्र से बाहर निकाल सको। परमेश्वर ने खुद ऐसा क्यों नहीं किया? मुझे लगता है कि यह प्रोविडेंस के धर्मशास्त्र पर वापस जाता है जिसके बारे में हमने उत्पत्ति और वाचा में सीखना शुरू किया था जहाँ परमेश्वर ने यह वादा किया था, इसलिए परमेश्वर इस वादे को पूरा करने के लिए मूसा का उपयोग कर रहा है।

लेकिन मुझे लगता है कि भगवान खुद को इन लोगों के सामने प्रकट करना चाहते हैं, और इसीलिए वह ऐसा कर रहे हैं। ठीक है। ठीक है।

क्या उसे खुद को प्रकट करने के लिए मूसा के माध्यम से ऐसा करना होगा? क्या वह खुद ऐसा नहीं कर सकता था? वह मनुष्य की कमजोरी के माध्यम से अपनी ताकत दिखाता है। रिश्ते की ज़रूरत को दर्शाता है। यह सिर्फ़ झटके के बारे में नहीं है, जिस तरह से किताब खत्म होती है।

भगवान रिश्तों में रुचि रखते हैं। मुझे वह समय याद है जब मैं एक पक्षीघर बना रहा था, और एंड्रयू, जो उस समय लगभग पाँच साल का था, मेरे पास आया और बोला, डैडी, क्या मैं मदद कर सकता हूँ? खैर, मुझे पता था कि उसके सोने के बाद मुझे ढेर सारे मुड़े हुए नाखून निकालने पड़ेंगे। लेकिन मैंने कहा, ज़रूर, प्रिये।

मुझे आपकी मदद चाहिए। क्यों? क्योंकि मुझे लगा कि वह मुझसे बेहतर पक्षीघर बना सकता है? नहीं। क्योंकि मुझे उम्मीद थी कि मैं एक बेहतर लड़का बना पाऊँगा।

और भगवान अपना काम बहुत अधिक कुशलता से कर सकते हैं अगर वह हमारे साथ खिलवाड़ न करें। लेकिन वह काम में उतनी दिलचस्पी नहीं रखते जितनी कि हम में रखते हैं। बेशक वह काम में दिलचस्पी रखते हैं।

वह उन लोगों को मिस्र से बाहर निकालना चाहता है। हाँ, अगर परमेश्वर ने ऐसा किया होता, तो इतिहास में क्या रिकॉर्ड होता? हाँ। लेकिन परमेश्वर हमारा इस्तेमाल करता है क्योंकि वह हमसे प्यार करता है और हमें अपने उद्धार कार्य में शामिल करना चाहता है।

खैर, अब हम आपत्तियों पर आते हैं, उनमें से चार हैं। पहली आपत्ति, मैं कौन हूँ जो फिरौन के पास जाऊँ और इस्राएलियों को मिस्र से बाहर निकालूँ? मूसा अपने बारे में क्या कह रहा है? मैं सक्षम नहीं हूँ। मैं सक्षम नहीं हूँ।

मेरे पास यह क्षमता नहीं है। वे मुझे वहाँ पसंद नहीं करते। खैर, अब, हम भगवान से क्या उम्मीद कर सकते हैं कि वह इसका जवाब दे? यह आप नहीं हैं।

हाँ। अच्छा, हाँ। लेकिन मुझे लगता है कि मैं यह कहना चाहूँगा कि, ओह, मूसा, मूसा, तुम्हारे पास बहुत सारी योग्यताएँ हैं।

मैंने तुम्हें प्रशिक्षित किया है। मैंने तुम्हें प्रशिक्षण दिया है। मूसा, तुम्हें खुद पर विश्वास करना होगा।

तुम्हें पता है, अगर तुम सिर्फ़ अपनी हीन भावना में जी रहे हो तो हम यह काम नहीं कर पाएँगे। तुम यह कर सकते हो, मूसा। मुझे तुम पर भरोसा है।

मूसा के बारे में नहीं, है न? मैं तुम्हारे साथ रहूँगा। याद रखो, यही हमने यूसुफ की कहानी में देखा था: उत्पत्ति के अध्याय 39 में वह आश्चर्यजनक स्थिति। यूसुफ कुएँ में गया, और फिर वह पोतीफर के घर में गया, और अब वह कालकोठरी में है।

और बाइबल कहती है कि परमेश्वर उसके साथ था। मुद्दा आपकी योग्यता का नहीं है। मुद्दा मेरी उपस्थिति का है।

और अगर मैं तुम्हारे साथ हूँ, तो मैं तुम्हारी हर पेशकश का उपयोग कर सकता हूँ, चाहे वह कितनी भी खराब क्यों न हो। आज सुबह करेन और मैं ज़िट्ज़ कार्टून पर हूँ। मुझे नहीं पता कि तुमने इसे देखा या नहीं।

आप जानते हैं, यह एक ऐसे परिवार के बारे में है जिसमें एक किशोर लड़का है, और पिता एक बहुत ही आकर्षक शर्ट पहनकर आता है। वह कहता है, बेटा, तुम्हें लगता है कि यह शर्ट ठीक है? और बेटा इसे देखकर कहता है, हाँ, यह ठीक है। वैसे भी कोई इसे देखने वाला नहीं है।

पिता कहते हैं कि उच्च आत्म-सम्मान का सबसे अच्छा इलाज किशोरावस्था है। यह मेरी योग्यता नहीं है। मेरे पास जो भी योग्यता है, अगर हम उसे अनुमति दें तो भगवान उसका उपयोग कर सकते हैं।

उसकी दूसरी आपत्ति क्या है? श्लोक 11. दूसरी आपत्ति में वह अपने बारे में क्या कह रहा है? बिलकुल सही। बिलकुल सही।

मैं नहीं जानता कि आप कौन हैं। मेरा ज्ञान बहुत सीमित है। और मुझे यह दृश्य बहुत पसंद है।

हे ईश्वर, मुझे नहीं पता कि आपका नाम क्या है। मैं हूँ। मुझे पता है कि आप हैं।

तुम्हारा नाम क्या है? मैं हूँ। भगवान, चलो यहाँ खेल खेलना बंद करें। वे तुम्हें क्या कहते हैं? मैं हूँ।

अब, इस कथन के निहितार्थ क्या हैं? मैं हूँ। भगवान हेरफेर से परे हैं। और क्या? यह सही है।

मैं तुमसे पहले वहाँ था। उसके पास कोई क्रिया काल नहीं है। आपको याद है कि यीशु ने ऐसा किया था।

अब्राहम के होने से पहले, मैं हूँ। और यहूदी लोग ठीक-ठीक जानते थे कि वह क्या कह रहा था। उन्होंने उसे पथर मारने के लिए पथर उठाए।

मुझे अपने हाई स्कूल की अंग्रेजी शिक्षिका रोज़ गुडमैन के बारे में सोचना अच्छा लगता है, जो मण्डली में थीं, और उन्होंने कहा होगा, यीशु, तुम्हारा मतलब था कि मैं हूँ। और यीशु ने कहा होगा, नहीं, रोज़, मैंने जो कहा उसका मतलब था। मैं हूँ।

भूत, वर्तमान और भविष्य। वह मैं हूँ। कल, आज और हमेशा एक जैसा।

मैं और क्या हूँ इसका मतलब है? मैं मौजूद हूँ। अपने आप में, मैं मौजूद हूँ। ब्रह्मांड में वह अकेला व्यक्ति है जो ऐसा कह सकता है।

तुम अपने आप में मौजूद नहीं हो। यहाँ से हवा निकालो, और तुम तीन मिनट में चले जाओगे। मैं अपने आप में मौजूद नहीं हूँ।

मैंने यह नहीं कहा कि मुझे लगता है कि मैं आज जन्म लूंगा। अब, मेरी माँ ने मुझसे कहा कि काश मैंने यह निर्णय एक महीने पहले ही ले लिया होता, लेकिन नहीं, हमने खुद को अस्तित्व में नहीं लाया। और सच तो यह है कि हम खुद को अस्तित्व से बाहर नहीं कर सकते।

हम अपनी पसंद से इस सांसारिक जीवन को समाप्त कर सकते हैं, लेकिन हम अस्तित्व में बने रहना बंद नहीं कर सकते। वह वही है जो अपने आप में है। और वह वही है जिससे बाकी सभी अस्तित्व प्रवाहित होते हैं।

पवित्र, पारलौकिक। उन्होंने इस नाम को विस्तार से बताया है। अब, हम इस नाम के बारे में पहले भी बात कर चुके हैं, लेकिन मैं इसे फिर से दोहराना चाहता हूँ।

नाम शायद यहोवा है। और फिर, यह उसका नाम नहीं है, बल्कि उसका लेबल है। यह उसका चरित्र है।

यह उसका स्वभाव है। यह उसकी प्रतिष्ठा है। और इसलिए, इस अर्थ में, यह उसका नाम है।

यह उसका लेबल है। यह तीन व्यंजनों HWH पर आधारित एक क्रिया है। उन तीन व्यंजनों में होने और विद्यमान होने का विचार है।

प्राचीन निकट पूर्व में अधिकांश नाम मौखिक तत्वों के रूप में इसी तरह बनाए गए थे। वे एक वाक्य नाम थे। उदाहरण के लिए, आप उस महिला के बारे में सोचिए जिसने अपने पति की जान बचाई थी।

उसका नाम नाबाल था, जिसका मतलब होता है मूर्ख। मुझे नहीं लगता कि उसकी माँ ने उसका नाम यह रखा होगा, लेकिन उसका नाम अभीगैल है। एबे, मेरे पिता।

गेल एक उद्धारक है। यह भी एक वाक्य है। इसका शायद मतलब है कि वह सभी चीजों का कारण है।

लेकिन हम निश्चित रूप से नहीं जानते, क्योंकि जब हिब्रू को पहली बार लिखा गया था, तो इसे सिर्फ व्यंजनों में लिखा गया था। तो, YHWH। ये व्यंजन हैं।

लेकिन समय के साथ यहूदी लोगों को लगने लगा कि परमेश्वर का नाम इतना पवित्र है कि उसका उच्चारण करना मुश्किल है। कितना दुखद है। परमेश्वर चाहता है कि उसे पहले नाम से जाना जाए।

यह इस अंश से स्पष्ट है। इसलिए, हर बार जब वे उन चार अक्षरों पर आए, तो उन्होंने स्वचालित रूप से अडोनाई शब्द को प्रतिस्थापित कर दिया, जिसका अर्थ है भगवान। जब बाइबल कहती है, और मैं अगले सप्ताह के पाठ में भी इस पर टिप्पणी करूँगा, जब बाइबल बार-बार कहती है, मैं भगवान हूँ, तो यह वास्तव में, मैं YHWH हूँ।

और इससे बहुत फ़र्क पड़ता है। यह संप्रभुता का दावा नहीं है। मैं बॉस हूँ।

यह है, मैं वही हूँ जो मैं हूँ। अपना पूरा जीवन इसी पर बनाओ। फिरौन की तरह यह मत सोचो कि तुम वही हो जो मैं हूँ।

ठीक है, फिर क्या हुआ, ईसा के लगभग 500 साल बाद, जब यहूदी पूरी दुनिया में फैल रहे थे क्योंकि उन्हें रोमनों ने यरूशलेम से बाहर निकाल दिया था, यहूदी विद्वानों को चिंता हुई कि लोग बाइबल का सही उच्चारण नहीं कर रहे होंगे। इसलिए, उन्होंने एक ध्वन्यात्मक स्वर प्रणाली बनाई। वे स्वरों के लिए इन व्यंजनों के चारों ओर चिह्न लगा सकते थे ताकि लोग इसका सही उच्चारण कर सकें।

इस वजह से हिब्रू के छात्र हमेशा से ही परेशान रहते हैं। उनके पास सिर्फ़ तीन स्वर नहीं हैं। उनके पास 15 स्वर हैं।

हर भिन्नता इसे ठीक से समझने और सही अर्थ में इस्तेमाल करने की कोशिश करती है। तो, क्या हुआ? जब वे इस शब्द पर आए, तो उन्होंने अडोनाई शब्द के स्वरों को जोड़ दिया। फिर हिब्रू बाइबिल में जो निकला वह YHWH है।

अब, हिब्रू से पहला स्थानीय अनुवाद जर्मन था। मार्टिन लूथर का जर्मन। अब, जर्मन में, उस व्यंजन का उच्चारण j है, और उस व्यंजन का उच्चारण v है, जो ईश्वर के लिए एक सुंदर नाम है जो कभी अस्तित्व में नहीं था।

यहोवा के साक्षियों को यह बताओ। फिर, 500 ई.पू. तो, बाइबल, वह स्कॉल जिसे यीशु ने नासरत के आराधनालय में पढ़ा था, उसमें केवल व्यंजन थे क्योंकि सभी ने दया के कारण इसे याद कर लिया था।

गुटेनबर्ग ने अपने प्रिंटिंग प्रेस से हमारे साथ बहुत बुरा किया। हम अपनी याददाश्त खो चुके हैं क्योंकि अब इसे आसानी से दोहराया जा सकता है। वैसे भी, मैं यह सब सिर्फ़ आपको इस बात का सुराग देने के लिए कह रहा हूँ।

जब आप देखते हैं, और यह वह परंपरा है जिसका उपयोग अब NIV जैसे आधुनिक अनुवादों में किया जाता है। यदि आपको नाम मिल गया है, तो आप छोटे अक्षरों में देखेंगे। यह YHWH है।

अब, मैं कहता हूँ कि हम इन स्वरों का अनुमान क्रिया के रूप में इसकी समझ के आधार पर लगा रहे हैं और यही कारण है कि अधिकांश अनुवाद इसे प्रिंट में डालने से थोड़ा सा डरते हैं क्योंकि हम पूरी तरह से निश्चित नहीं हैं। मुझे लगता है कि यह 90 प्रतिशत निश्चित है, लेकिन यह पूरी तरह से निश्चित नहीं है। इसलिए, यदि आप इसे देखते हैं, तो यह ईश्वरीय नाम है।

अगर आप इसे देखें, तो यह शब्द प्रभु के लिए है। तो, यह सब। ठीक है।

इस्राएल के लोगों से यह कहो, यहोवा, तुम्हारे पूर्वजों का परमेश्वर, अब्राहम का परमेश्वर, इसहाक का परमेश्वर, याकूब का परमेश्वर, उसने मुझे तुम्हारे पास भेजा है। यह सदा के लिए मेरा नाम है, और इस प्रकार, मुझे सभी पीढ़ियों में याद किया जाएगा। जाओ और इस्राएल के बुजुर्गों को इकट्ठा करो और उनसे कहो, यहोवा, तुम्हारे पूर्वजों का परमेश्वर, अब्राहम का परमेश्वर, इसहाक का परमेश्वर, याकूब का परमेश्वर, मुझे दिखाई दिया है।

अब, आप फिर से देखते हैं, यह इस बात से जुड़ा है कि मूसा वहाँ क्यों मुँह के बल गिरा था। हे भगवान, मैं हूँ वह है जिसने इन पीढ़ियों में हमारे परिवार के लिए खुद को समर्पित कर दिया है। आश्चर्यजनक।

मूसा, मैं चाहता हूँ कि तुम जाकर उन्हें बताओ कि यह तुम्हारा संदेश नहीं है, यह तुम्हारा ज्ञान नहीं है, यह मेरी पहचान है, मेरी वास्तविकता ही कुंजी है। खैर, वह आगे बढ़ता है। तीसरी आपत्ति श्लोक 4, अध्याय 4, श्लोक 1 है। यहाँ उसका सवाल क्या है? वे मुझ पर विश्वास नहीं करेंगे।

भगवान कहते हैं कि यह मुद्दा नहीं है। मुद्दा क्या है? भगवान इसका उत्तर कैसे देते हैं? उन्होंने उसे कुछ संकेत दिए। यह मेरी शक्ति है।

अब, बाइबल में कोढ़ और साँप प्रतीक हैं। वे किस बात के प्रतीक हैं? पाप के, बुराई के। यह कोई संयोग नहीं है कि मूसा ने अपना हाथ अपने वस्त्र में डाला और उसे कोढ़ से लथपथ बाहर निकाला।

मैं कल्पना कर सकता हूँ कि वह कह रहा होगा, हे भगवान, मैं मिस्र नहीं जा सकता। मैं एक कोढ़ी हूँ। भगवान कहते हैं, अपना हाथ वापस वहाँ डालो। बुराई, बुराई भगवान की शक्ति में है।

तुम्हारे हाथ में क्या है? अरे, यह मेरा डंडा है। यह मेरी पहचान है। तुम्हें पता है, हम मर्द अपने काम से अपनी पहचान बनाते हैं।

मुझे पता है कि आप महिलाएँ इसे नहीं समझतीं, लेकिन यह एक सच्चाई है। कैरन और मैं हमेशा हँसते हैं। मैं उसे बताता हूँ कि मैं किसी आदमी से मिला हूँ और वह पूछती है, उसके कितने बच्चे हैं? मैं कहता हूँ, बच्चे? वह एक बढ़ई है।

यह मेरा स्टाफ है। हाँ, इसे नीचे फेंक दो। अगर मैं अपना स्टाफ नीचे फेंक दूँ तो मैं कौन हो जाऊँगा? अगर मैं अपनी नौकरी छोड़ दूँ, तो इसे नीचे फेंक दो।

बहुत बढ़िया स्कॉट, मुझे नहीं पता था कि वह चीज़ साँप है। अगर मेरा काम ही मेरी पहचान है, तो वह साँप है। वह मुझे ज़िंदा ही खा जाएगा।

इसे उठाओ, मूसा। इसे पूँछ से उठाओ। पूँछ।

भगवान, आप रेगिस्तान में साँपों को उठाने में ज़्यादा समय नहीं लगाते, है न? नंबर एक, आप साँपों को नहीं उठाते। नंबर दो, अगर आप उन्हें उठाने जा रहे हैं, तो आप उन्हें पूँछ से नहीं उठाते। उसे उठाओ।

ठीक है, भगवान, अगर यह मुझे काटता है, तो मैं मिस्र नहीं जा सकता। यह एक छड़ी है। यह एक छड़ी है।

यह एक छड़ी है। यह तुम्हारी विश्वसनीयता का सवाल नहीं है, मूसा। यह तुम्हारे जीवन में प्रकट हुई मेरी शक्ति का सवाल है।

यह परम शक्ति है अगर आप बुराई को ले सकते हैं, उस पर शासन कर सकते हैं, और उसे बदल सकते हैं। हाँ, हाँ। आप कभी भी मेरी सीधी औरत बन सकती हैं।

हाँ, यही तो हो रहा है। कोई भी व्यक्ति अच्छे काम कर सकता है, लेकिन क्या कोई बुराई को लेकर उसे अच्छे में बदल सकता है? यही मैं काम कर रहा हूँ। और बेशक, रोमियों 8:28 में यही बताया गया है।

भगवान किसी भी चीज़ के ज़रिए काम कर सकते हैं। ठीक है, तो चौथी आपत्ति आती है। अब हम मूल आधार पर पहुँच रहे हैं, है न? यह पहली आपत्ति से बिलकुल अलग है।

यह बिलकुल उल्टा है। यह मेरी अक्षमता है। भगवान, आप जानते हैं, मैं बहुत अच्छी तरह से बात नहीं कर सकता।

भगवान ने कहा, यह कब शुरू हुआ? करीब पाँच मिनट पहले। भगवान इस बात से थोड़ा परेशान हो रहे हैं। मुझे लगता है कि उन्होंने बहुत अच्छा किया है।

प्रभु ने उससे कहा, यह श्लोक 11 है। मनुष्य का मुँह किसने बनाया? उसे गूंगा या बहरा या देखने वाला या अंधा कौन बनाता है? क्या मैं, यहोवा, वही नहीं हूँ? इसलिए, अब जाओ, और मैं तुम्हारे मुँह के साथ रहूँगा। यह फिर से है। उसकी उपस्थिति।

यदि आप चाहें तो सृष्टिकर्ता और संचालक की उपस्थिति। और मूसा कहता है, हे ईश्वर, मुझे खेद है। मैं यह नहीं कर सकता।

कृपया किसी और को भेजो। अब हम अंतिम पंक्ति पर आ गए हैं। यहोवा का क्रोध मूसा पर भड़क उठा, और उसने कहा, क्या तुम्हारा भाई लेवी हारून नहीं है? मैं जानता हूँ कि वह बोल सकता है।

वह एक मोटर माउथ है। यह न्यू लिविंग संस्करण है। वास्तव में, यह न्यू ओसवाल्ल्ड संस्करण है।

देखो, वह तुमसे मिलने के लिए बाहर आ रहा है। वह अपने रास्ते पर है। मुझे लगता है कि मूसा ने उस समय कहा होगा, तुम्हारा मतलब है कि तुमने मुझसे बात करने से पहले ही उसे यहाँ आने के लिए कहा था? वह न केवल निर्माता और संचालक है, बल्कि वह समायोजनकर्ता भी है।

वह खुद को समायोजित कर सकता है। वह इतना असीम रचनात्मक है कि वह खुद को हमारे मुद्दों के साथ समायोजित कर सकता है। समायोजित करें।

मुझे यकीन नहीं है कि मैं सही वर्तनी लिख रहा हूँ, लेकिन फिर भी। दो सी और दो एम। ठीक है।

और एक ओ. समायोजित करें। वह निर्माता है, वह संचालक है, वह समायोजित करने वाला है। और एक अर्थ में, मूसा के पास कोई आपत्ति नहीं बची है।

या तो वह पूरी तरह से विद्रोह करने जा रहा है या फिर आज्ञा का पालन करने जा रहा है। अब, श्लोक 18 से 20 मेरे लिए आकर्षक हैं क्योंकि इसमें किसी बड़े भावनात्मक आत्मसमर्पण के बारे में कोई कथा नहीं है। मुझे नहीं पता क्यों, लेकिन मुझे एक अनुमान है।

कभी-कभी, मुझे लगता है कि हम अपनी गवाही में परमेश्वर की इच्छा के प्रति अपने समर्पण के बारे में बहुत ज़्यादा बताते हैं। हमें कितना संघर्ष करना पड़ा। लेकिन आखिरकार परमेश्वर ने हम तक कैसे पहुँच बनाई।

मुद्दा यह है कि क्या आप उसकी बात मानेंगे या नहीं? इसलिए मुझे लगता है कि यह बहुत ही दिलचस्प है। श्लोक 18. मूसा अपने ससुर यित्रो के पास वापस गया और उससे कहा, कृपया मुझे मिस्र में अपने भाइयों के पास वापस जाने दें ताकि मैं देख सकूँ कि वे अभी भी जीवित हैं या नहीं।

जेथ्रो ने कहा, शांति से जाओ। बस इतना ही कहना है। और दोस्तों, यही मुख्य बात है।

इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आपको वहाँ पहुँचने में कितना समय लगता है। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आपको वहाँ पहुँचने के लिए कितनी उलझनों से गुजरना पड़ता है। सवाल यह है कि जब आप वहाँ पहुँच जाते हैं, तो क्या आप वही करेंगे जो वह कहता है? बस यही मायने रखता है।

हाँ? आपकी बात यहाँ है: क्या हम मान सकते हैं कि किसी समय मूसा टूट गया और उसने कहा, हे प्रभु, मैं इसे रखना नहीं चाहता? हाँ, यही है - श्लोक 13. हे मेरे प्रभु, कृपया किसी और को भेजो।

हाँ, अब हम मूल बात पर पहुँच गए हैं। और किसी समय, प्रभु ने उसके हृदय को जानते हुए और इस पर विचार करते हुए, आप नहीं जानते कि उसके कहे अनुसार क्या हुआ, लेकिन वह हार नहीं मान रहा था। बिल्कुल, बिल्कुल। उसे उस बिंदु पर आना ही था, मेरे पास परमेश्वर की इच्छा पूरी न करने का कोई उचित बहाना नहीं बचा है।

इसलिए, अगर मैं ऐसा नहीं करता, तो यह पूरी तरह से विद्रोह है। और मैं ऐसा नहीं करने जा रहा हूँ, भगवान का शुक्र है। खैर, मुझे लगता है कि मूसा शायद मिस्र की संस्कृति के बारे में जो कुछ जानता था, उसके आधार पर अपनी कुछ आपत्तियों को तर्कसंगत बनाने की कोशिश कर रहा था।

खास तौर पर उनका भाषण, क्योंकि उच्च पद पर बैठे लोगों से धाराप्रवाह, प्रवाहपूर्ण भाषण की अपेक्षा की जाती थी। और उन्होंने ऐसा किया, और कभी-कभी मुझे भी आश्चर्य होता है, शायद उनका पेशा चरवाहा था, क्योंकि मिस्र के लोग चरवाहों को पसंद नहीं करते थे। यह यूसुफ की कहानी में एक मुद्दा था, आप जानते हैं, उसके लोग चरवाहे थे।

और मुझे लगता है कि शायद उनके पास कुछ यथार्थवादी... हाँ, हाँ, हाँ, वह इन चीज़ों को सिर्फ़ बना-बनाया नहीं है। ये मुद्दे हैं। तो, हाँ, मुझे लगता है कि यह निश्चित रूप से सही है।

हाँ, हाँ। ऐसा लगता है, हालाँकि, अंत के करीब, भगवान ने कहा, चिंता मत करो, जो लोग अपनी जान लेने जा रहे थे, वे मरने वाले थे। वे लोग मर चुके हैं, हाँ।

हालाँकि, वह जिस बारे में बात कर रही हैं, वह सामान्य सांस्कृतिक मुद्दा है। धाराप्रवाह बोलने और सुंदर शब्दों में बोलने में सक्षम होने का महत्व और इस तरह की चीज़ें। हाँ, हाँ, लेकिन वह विशेष मुद्दा खत्म हो गया है।

ठीक है, मैं अगली बार फिरौन के दिल को कठोर बनाने के बारे में बात करने जा रहा हूँ। इस समय इस पर बात करना बहुत लंबा है। लेकिन मैं जाने से पहले 24 से 26 पर नज़र डालना चाहता हूँ, क्योंकि यह बहुत अजीब है।

मूसा अपने रास्ते पर है। परमेश्वर ने कहा है कि इस्राएल मेरा जेठा है। मेरे जेठे को जाने दे कि वह मेरी सेवा करे।

अब, श्लोक 24, 25, 26. रास्ते में एक विश्राम स्थल पर, प्रभु ने उससे मुलाकात की और उसे मार डालना चाहा। अरे, यह क्या है? तब सिप्पोरा ने एक चकमक पत्थर लिया और अपने बेटे की खलड़ी को काट लिया, उससे मूसा के पैरों को छुआ, और कहा, निश्चित रूप से तुम मेरे लिए खून का दूल्हा हो।

इसलिए, उसने उसे अकेला छोड़ दिया। तब उसने कहा, खतने के कारण खून का दूल्हा। अब, यहाँ दुनिया में क्या चल रहा है? ठीक है, इसका वाचा से लेना-देना है।

उत्पत्ति 17. वाचा की आज्ञाकारिता के संदर्भ में परमेश्वर ने अब्राहम से क्या एक चीज़ की अपेक्षा की थी? खतने का चिन्ह। हमने इस बारे में बात की कि यह क्यों महत्वपूर्ण है।

खड़ा लिंग शक्ति, प्रभुत्व और खुद को पुनरुत्पादित करने की क्षमता का प्रतीक है। और भगवान कहते हैं, यहीं मैं अपना निशान चाहता हूँ। समर्पण का प्रतीक।

अब, मूसा मिस्र वापस जा रहा है, और उसके बेटे, उसके जेठे बेटे का खतना नहीं हुआ है। उन्होंने पहले भी इस बारे में बात की थी। तुम कहते हो, तुम्हें यह कैसे पता? क्योंकि जैसे ही मूसा बीमार हुआ, उसने जेब से चाकू निकाल लिया।

उन्हें बैठकर यह कहने की ज़रूरत नहीं थी कि, मुझे आश्चर्य है कि यहाँ क्या हो रहा है। वे जानते थे। मूसा लोगों को वाचा में विश्वासयोग्यता की ओर लौटने के लिए बुला रहा है, और वह अपने बेटे का खतना करने के बारे में पर्याप्त नहीं सोचता।

और भगवान कहते हैं कि मेरे लोगों को आधे-अधूरे मन से प्रतिबद्ध करने की बजाय मर जाना बेहतर है। वाह। मैं कहने की हिम्मत करता हूँ, कुछ सेमिनरी छात्रों को यह सुनना चाहिए।

और शायद बाकी में से कुछ। ठीक है। हम्म-हम्म।

हम्म-हम्म। लेकिन खतना करने की आज्ञा उत्पत्ति में थी। मूसा को जाने के लिए सहमत करने से पहले हम इसे अभी क्यों नहीं लिखवा लेते? यह एक बेहतरीन सवाल है।

और मेरे पास इसका अंतिम उत्तर नहीं है। लेकिन मैं यही सोचता हूँ। मुझे लगता है कि कभी-कभी... खैर, मैं इसे बेहतर तरीके से कहने की कोशिश करूँगा।

अनुष्ठानों से सही रवैया नहीं बनता। इसलिए, भगवान कह सकते थे, मूसा, मैं चाहता हूँ कि तुम अपने बेटे का खतना करो। मुझे लगता है कि मूसा ने कहा होगा, ठीक है, क्यों नहीं? उसे ही चोट पहुँचेगी, मुझे नहीं।

ज़रूर। तो, अनुष्ठान सही दृष्टिकोण उत्पन्न नहीं करता है। दूसरी ओर, सही दृष्टिकोण प्रतीकात्मक व्यवहार द्वारा समर्थित नहीं होता है।

हमारे पास सही रवैये की वैधता पर सवाल उठाने का कारण है। मैं वह चीज पहनता हूँ। सौ साल पहले, मेरे समूह में ऐसा करना गैरकानूनी होता।

यह दिखावा होता, लेकिन अब नहीं। इससे मैं शादीशुदा नहीं हो जाती। हमारे पास जो कागज का टुकड़ा है, वह भी हमारे सेफ़्टी डिपॉज़िट बॉक्स में रखा हुआ है, उससे भी हम शादीशुदा नहीं हो जाते।

शादी दिल का मामला है। इसलिए, अगर मैं भारी काम कर रहा हूँ और मैं उस चीज़ को उतार देता हूँ, तो इसका कोई मतलब नहीं है। दूसरी ओर, मैं प्रचार मिशन पर जा रहा हूँ।

और मैंने सुना है कि उस चर्च की महिलाएँ उल्लेखनीय रूप से सुंदर हैं। इसलिए, मैं कैरेन को अलविदा कहता हूँ। और मैं कहता हूँ, और जब वह ब्लू ग्रास एयरपोर्ट पर चली जाती है, तो क्या इससे तुम्हें कुछ पता चलता है? मैं तुम्हें बहुत कुछ बताता हूँ।

यह प्रतीक मेरे दिल की असली स्थिति का गवाह है। तो, हाँ, उसने सही काम किया है। उसने इस तरह की पूरी प्रतिबद्धता दिखाई है, लेकिन यह प्रतिबद्धता उतनी पूरी नहीं है जितनी होनी चाहिए, जैसा कि इस प्रतीकात्मक व्यवहार से पता चलता है।

भगवान कह रहे हैं कि आपकी प्रतिबद्धता वास्तव में केवल आंशिक है। भले ही आप जा रहे हैं, लेकिन आप पूरी तरह से मेरे प्रति समर्पित नहीं हैं। और अगर आप ऐसा नहीं करते हैं, तो आप यहाँ जो करने जा रहे हैं वह खतरनाक होगा।

क्या नहीं किया? अरे नहीं। मुझे लगता है कि वह बहुत बीमार था। वह ज़मीन पर तड़पता हुआ लोट रहा है, और ज़िपोराह रेज़र ब्लेड से उतर रही है।

डैन? क्या इसे गिलगाल में इस्राएल के खतने से जोड़ना उचित नहीं है? बिल्कुल। बिल्कुल। वैसे, आप जोशुआ क्लास में थे, है न? लेकिन मैं हमेशा इसके बारे में सोचना पसंद करता हूँ।

यहाँ, यह डी-डे प्लस टू है, और आइजनहावर ने इन सभी पुरुषों का खतना करवा दिया है। जर्मन लोग कह रहे होंगे, वाह! लेकिन जोशुआ ने यही किया। और यही बात बिल्कुल सही है।

यह सेना इस भूमि को जीतने वाली नहीं है। मैं यह भूमि इस सेना को देने जा रहा हूँ, लेकिन मैं यह भूमि आधे-अधूरे लोगों को नहीं देने जा रहा हूँ। कुछ लोग इसे इस तरह से पढ़ते हैं कि सिप्पोराह ही वह व्यक्ति था जिसने खतने का विरोध किया था।

हाँ, कुछ लोग ऐसा करते हैं। और यह सच भी हो सकता है।

लेकिन मुझे लगता है कि अगर मैं भगवान होता, तो मैं ज़िपोराह को बीमार कर देता। लेकिन खैर। लेकिन यही तो है।

यह बात उसे यहूदी राष्ट्र का हिस्सा बनने के लिए मजबूर करती है। वह और उसके पिता यहूदी नहीं थे। इसलिए, अगर वह इतनी दूर तक जाने को तैयार है, तो शायद यह निश्चित रूप से अगली पीढ़ी में मूसा के लिए उसके समर्थन को दर्शाता है।

और जैसा कि मैंने कहा, मुझे लगता है कि इस घटना से पता चलता है कि उन्होंने पहले भी इस बारे में बात की थी और कहा था कि यह वास्तव में मायने नहीं रखता। वह जानती है कि संकट आने पर तुरंत क्या करना है। ठीक है, ठीक है।

अंतिम बात यह है कि वे जाते हैं। वह आरोन से मिलता है। यह एक अच्छी मुलाकात रही होगी।

और वे लोगों के पास वापस जाते हैं, और कहते हैं, यहोवा, अब्राहम, इसहाक और याकूब का परमेश्वर, तुम्हें मिस्र से छुड़ाने जा रहा है। और यहाँ इसका सबूत है। इसे देखिए।

इसे देखिए। और वे कहते हैं, भगवान की स्तुति करो। भगवान की स्तुति करो।

हाँ, हम तुम पर विश्वास करते हैं, मूसा। हम तुम पर विश्वास करते हैं, हारून। हम उस यहोवा पर विश्वास करते हैं जिसके बारे में तुम बात कर रहे हो।

हाँ, सब कुछ बढ़िया है। अगले हफ़्ते फिर आइये। बहुत-बहुत धन्यवाद।

यह डॉ. जॉन ओसवाल्ट और निर्गमन की पुस्तक पर उनकी शिक्षा है। यह सत्र 2, निर्गमन 3-4 है